**Shri K. D. Malaviya:** This is based on the several-dumps-scheme. For instance, in U.P., the dump stations are Kanpur, Lucknow, Meerut City, Allahabad and Varanasi; and some more are proposed to be set up.

**New Education Code for Delhi**

+

*669. { **Shri Bishanchander Seth:** **Shri Bhakt Darshan:** **Shri D. C. Sharma:**

Will the Minister of **Education** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 1285 on the 5th June, 1962 and state:

(a) whether a New Education Code for the Union Territory of Delhi has been prepared;

(b) if so, what are its main features;

(c) whether the model legislation based on the code for the consideration of the States has also been examined;

(d) if so, the result thereof; and

(e) how these new provisions differ from the old ones?

**The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali):** (a) to (e). A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) The preliminary draft of the Code has since been prepared and is under examination before it can be finalised.

(b) As has been pointed out in reply to Starred Question No. 1285, answered on 5th June, 1962, the Code contains Chapters on Departmental Organization, Inspection of Schools, Rules for Recognition, Grant-in-aid Rules, Service conditions of Aided School teachers, including punishments and appeal rules, Fees and Funds, Rules for grant of scholarships, Rules relating to admissions, transfers class-promotions, medical examination, etc. etc.

(c) The matter is under consideration

(d) and (e). Do not arise at this stage.

**श्री बिशनचंद्र सेठ** : मैं जानना चाहता हूं कि राज्य सरकारों से जो आप को परामर्श मिले हैं, वे क्या क्या हैं ?

**श्री का० ला० श्रीमाली** : अभी तो राज्य सरकारों से मशविरा लेने का प्रश्न नहीं उठा क्योंकि कोड तैयार हो रहा है । जहां तक कोड का सम्बन्ध है, यह केवल यूनियन टैरिटरीज़ और दिल्ली के लिये है । इसलिये दूसरे राज्यों से बातचीत का प्रश्न नहीं उठा । जहां तक बिल का ताल्लुक है जिसके बारे में अभी आपने प्रश्न किया है, उस बिल का मसविदा जब तैयार हो जायगा तब राज्य सरकारों से मशविरा उस पर किया जाएगा ।

**श्री बिशनचंद्र सेठ** : इस चीज़ के हो जाने के बाद क्या प्रभाव शिक्षा के स्तर पर पड़ेगा, क्या आप बता सकते हैं ?

**डा० का० ला० श्रीमाली**: प्रभाव अच्छा पड़ेगा । मैं आशा करता हूं कि माननीय सदस्य को भी उससे सन्तोष होगा ।

**श्री भक्त दर्शन**: श्रीमन् यह बताया गया है कि प्रारम्भिक ड्राफ्ट तैयार हो गया है । मैं जानना चाहता हूं कि उस ड्राफ्ट को अन्तिम रूप देने के पहले जो प्राइवेट मेनेजमेंट कमेटीज़ हैं या अध्यापक समितियां हैं या और जो सम्बन्धित पक्ष हैं, क्या उनसे परामर्श लिया जाएगा और तब इसको अन्तिम रूप दिया जाएगा ?

**डा० का० ला० श्रीमाली** : जो भी सम्बन्धित व्यक्ति हैं, उनसे परामर्श किया जा रहा है ।

**Shri D. C. Sharma:** One of the items to be included in this model Code is service conditions of aided school teachers. May I know if the triple benefit scheme recommended by the Mudaliar Committee will also be included in these service conditions?

**Dr. K. L. Shrimali:** Government have been keen to implement this scheme, and we are in consultation with the Delhi Administration about this matter, and I am hoping that it will not be too long before this scheme is introduced for the Union Territories.

**Shri S. M. Banerjee:** Since the Code is being established for the Union Territories, may I know whether other State Governments have also been instructed to have a similar Code in their areas?

**Dr. K. L. Shrimali:** This Code will be for the Union Territories. If the other State Governments also choose to devise their Codes, they will be quite free to do so.

**Shri C. K. Bhattacharyya:** From the statement, I find that the code relates to the terms and conditions of service of school teachers. Is there any proposal to have a similar code for college teachers?

**Dr. K. L. Shrimali:** As far as colleges are concerned, universities have their own rules and regulations. They are governed by statutes and rules framed by the universities.

**विश्वविद्यालयों के लिए आदर्श विधान**

+

*६७०. **श्री म० ला० द्विवेदी :**
**श्री स० चं० सामन्त :**
**श्री ब० कु० दास :**
**श्री सुबोध हंसदा :**
**श्री ईश्वर रेड्डी :**

क्या **शिक्षा** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय विश्वविद्यालयों के वर्तमान कार्यों के अनुकूल एक आदर्श विधेयक की रूप रेखा तैयार करने के लिये जो समिति बनाई गई थी उसके अब तक के कार्य का क्या ब्यौरा है ; और

(ख) क्या इस समिति ने अपना अन्तरिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया है और यदि हां, तो उसकी मोटी-मोटी सिफारिशें क्या हैं ?

**शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली):** (क) समिति की अभी तक छः बैठकें हो चुकी हैं, इसका कार्य अब समाप्त होने पर है ।

(ख) जी नहीं । सम्भवतः समिति की रिपोर्ट वर्ष के अन्त तक प्राप्त हो जाएगी ।

**श्री म० ला० द्विवेदी :** मैं जानना चाहता हूं कि इस कमेटी के विचाराधीन मोटे रूप से कौन कौन सी बातें हैं ?

**Dr. K. L. Shrimali:** The main problem is to have a model legislation. All the problems relating to the administration of universities are being looked into by this Committee.

**श्री म० ला० द्विवेदी :** विश्वविद्यालयों मे पढ़ाई लिखाई के सम्बन्ध में भी क्या इस समिति में कोई विचार होगा क्योंकि १९६५ के बाद या किसी और अवधि के बाद जब यह बात तय हो जाएगी तो अंग्रेजी जो है, वह नहीं रहेगी । उस वक्त पढ़ाई लिखाई का माध्यम क्या होगा, क्या इस सम्बन्ध में भी यह समिति विचार करेगी ?

**Dr. K. L. Shrimali:** This subject does not come within the purview of this Committee.

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** शिक्षा मन्त्री जी ने पिछले अधिवेशन में घोषणा की थी कि अलीगढ़ और बनारस विश्वविद्यालयों के सम्बन्ध में वह कोई विधेयक लाना चाहते हैं और इस समिति के परामर्श के आधार पर उसको वह लाना चाहते हैं । मैं जानना चाहता हूं कि कब तक इस चीज को कार्यान्वित किया जाएगा ?

**श्री का० ला० श्रीमाली :** बनारस विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में एक बिल इंट्रोड्यूस किया था पिछली पार्लिमेंट में लेकिन वह पास नहीं हो सका । इस समिति की रिपोर्ट का माडल लैजिस्लेशन के बारे मे इन्तजार किया